



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 344]

नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 28, 2010/पौष 7, 1932

No. 344]

NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 28, 2010/PAUSA 7, 1932

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर, 2010

दूरसंचार वाणिज्यिक संप्रेषण उपभोक्ता अधिमान (दूसरा संशोधन) विनियम, 2010

(2010 का 08)

सं. 305-17/2010-क्यूओएस.—भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण, 1997 (1997 का 24) की धारा 11 की उप-धारा (1) के खंड (ख) के उप-खंड (v) तथा उप-धारा (1) के खंड (ग) के साथ पठित धारा 36 के अंतर्गत प्राधिकरण को प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (1) इन विनियमों को दूरसंचार वाणिज्यिक संप्रेषण उपभोक्ता अधिमान (दूसरा संशोधन) विनियम, 2010 कहा जाएगा ।

(2) ये इनके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे ।

2. दूरसंचार वाणिज्यिक संप्रेषण उपभोक्ता अधिमान विनियम, 2010 (जिसे इसमें इसके पश्चात् प्रधान विनियम कहा गया है) के विनियम 1 के उप-विनियम (2) में,—

(क) खंड (ख) के स्थान पर, निम्नलिखित खंड प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“इन विनियमों के विनियम 13, 14, 15, 16 और 17, 15 जनवरी, 2011 को प्रवृत्त होंगे;”

(ख) इस प्रकार प्रतिस्थापित खंड (ख) के पश्चात् निम्नलिखित खंड प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(ग) इन विनियमों के विनियम 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 18, 19, 20, 21 और 22, 1 फरवरी, 2011 को प्रवृत्त होंगे ।”

3. प्रधान विनियमों के विनियम 25 में,—

(क) खंड (ख) के स्थान पर, निम्नलिखित खंड प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“दूरसंचार अवांछनीय वाणिज्यिक संप्रेषण विनियम, 2007 (2007 का 4) के विनियम 13 से 15 में अंतर्विष्ट उपबंध 14 जनवरी, 2011 तक प्रवृत्त रहेंगे;”;

(ख) इस प्रकार प्रतिस्थापित खंड (ख) के पश्चात्, निम्नलिखित खंड प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“दूरसंचार अवांछनीय वाणिज्यिक संप्रेषण विनियम, 2007 (2007 का 4) के विनियम 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 16, 17 और 18 में अंतर्विष्ट उपबंध 31 जनवरी, 2011 तक प्रवृत्त रहेंगे;”;

आर. के. आर्नल्ड, सचिव

[विज्ञापन III/4/142/10-असा.]

टिप्पणी 1 : प्रधान विनियम भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग III, खंड 4 में अधिसूचना संख्या 305-17/2010-क्यूओएस, दिनांक 1 दिसम्बर, 2010 द्वारा प्रकाशित हुए थे।

टिप्पणी 2 : प्रधान विनियमों को अधिसूचना संख्या 305-17/2010-क्यूओएस द्वारा संशोधित किया गया तथा ये भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग III, खंड 4 में दिनांक 14 दिसम्बर, 2010 को प्रकाशित हुए थे।

टिप्पणी 3 : व्याख्यात्मक ज्ञापन दूरसंचार वाणिज्यिक संप्रेषण संप्रेषण अधिमान (दूसरा संशोधन) विनियम, 2010 (2010 का 08) के उद्देश्यों और कारणों का वर्णन करता है।

#### व्याख्यात्मक ज्ञापन

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण ने अवांछनीय वाणिज्यिक संप्रेषणों के नियंत्रण के लिए एक प्रभावी तंत्र का उपबंध करने के लिए दूरसंचार वाणिज्यिक संप्रेषण उपभोक्ता अधिमान विनियम, 2010 (2010 का 6) दिनांक 1 दिसम्बर, 2010 जारी किए थे। विनियमों के विनियम 13, 14, 15, 16 और 17, 15 दिसम्बर, 2010 से क्रियान्वित किए जाने अपेक्षित थे, जबकि विनियम 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 18, 19, 20, 21 और 22, 1 जनवरी, 2011 से क्रियान्वित किए जाने अपेक्षित थे।

2. इन विनियमों के प्रयोजन के लिए सृजित की जाने वाली वेबसाइट के सुरक्षा लेखापरीक्षा पहलुओं तथा इसमें अंतर्निहित अन्य प्रक्रियाओं को ध्यान में रखते हुए भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण ने यह आवश्यक पाया है कि उपर्युक्त विनियमों के क्रियान्वयन के लिए तारीखों को पुनःनिर्धारित किया जाए। तदनुसार, दूरसंचार वाणिज्यिक संप्रेषण उपभोक्ता अधिमान विनियम, 2010 (2010 का 6) दिनांक 1 दिसम्बर, 2010 के विनियम 1 के उप-विनियम (2) के खंड (ख) और खंड (ग) तथा विनियम 25 के खंड (ख) और (ग) में संशोधन किया गया है।

### TELECOM REGULATORY AUTHORITY OF INDIA

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 28th December, 2010

#### THE TELECOM COMMERCIAL COMMUNICATIONS CUSTOMER PREFERENCE (SECOND AMENDMENT) REGULATIONS, 2010

(8 OF 2010)

**305-17/2010-QoS.**—In exercise of powers conferred by Section 36, read with sub-clause (v) of clause (b) and clause (c) of sub-section (1) of Section 11 of the Telecom Regulatory Authority of India Act, 1997 (24 of 1997), the Telecom Regulatory Authority of India hereby makes the following regulations, namely :—

1. (1) These regulations may be called the Telecom Commercial Communications Customer Preference (Second Amendment) Regulations, 2010.

(2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. In sub-regulation (2) of regulation 1 of the Telecom Commercial Communications Customer Preference Regulations, 2010 (hereinafter referred to as the principal regulations),—

(a) for clause (b), the following clause shall be substituted, namely :—

“(b) Regulation 13, 14, 15, 16 and 17 of these regulations shall come into force on the 15th day of the January, 2011;”;

(b) after clause (b) so substituted, the following clause shall be inserted, namely :—

“(c) regulations 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 18, 19, 20, 21 and 22 of these regulations shall come into force on the 1st day of the February, 2011.”

3. In regulation 25 of the principal regulations,—

(a) for clause (b), the following clause shall be substituted, namely :—

“The provisions contained in regulations 13 to 15 of the Telecom Unsolicited Commercial Communications Regulations, 2007 (4 of 2007) shall remain in effect till the 14th day of January, 2011;”;

(b) after clause (b), so substituted, the following clause shall be inserted, namely :—

“(c) The provisions contained in regulations 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 16, 17 and 18 of the Telecom Unsolicited Commercial Communications Regulations, 2007 (4 of 2007) shall remain in effect till the 31st day of January, 2011.”

R. K. ARNOLD, Secy.

[ADVT III/4/142/10/Exty.]

**Note 1 :** The principal regulations were published in the Gazette of India, Extraordinary, Part III, Section 4 *vide* notification No. 305-17/2010-QoS, dated 1st December, 2010.

**Note 2 :** The principal regulations were amended *vide* notification No. 305-17/2010-QoS and published in the Gazette of India, Extraordinary, Part III, Section 4, dated 14th December, 2010.

**Note 3 :** The Explanatory Memorandum explains the objects and reasons of Telecom Commercial Communications Customer Preference (Second Amendment) Regulations, 2010 (8 of 2010).

#### **Explanatory Memorandum**

The Telecom Regulatory Authority of India issued the Telecom Commercial Communications Customer Preference Regulation, 2010 (6 of 2010) dated the 1st December, 2010 to provide an effective mechanism for curbing unsolicited commercial communications. Regulation 13, 14, 15, 16 and 17 of the regulations were required to be implemented with effect from the 15th day of December, 2010, while regulation 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 18, 19, 20, 21 and 22 were required to be implemented with effect from the 1st day of January, 2011.

2. Having regard to the aspect of security audit of the website to be created for the purpose of these regulations and the other processes involved, the Telecom Regulatory Authority of India has found it necessary to re-determine the dates for implementation of the aforesaid regulations. Accordingly, clause (b) and clause (c) of sub-regulation (2) of regulation 1 and clause (b) and clause (c) of regulation 25 of the Telecom Commercial Communications Customer Preference Regulations, 2010 (6 of 2010) dated the 1st December, 2010 have been amended.